Con. 3. 1.4.46
1000

अंक 1
संख्या 4

बृहस्पतिवार,
12 दिसम्बर
सन् 1946 ई.

भारतीय विधान-परिषद्

के

वाद-विवाद

की

सरकारी रिपोर्ट

(हिन्दी संस्करण)

विषय-सूची

पृष्ठ

माननीय पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा उपस्थित विधान-परिषद के लक्ष्यमूलक प्रस्ताव पर विवाद स्थगित 1

भारतीय विधान-परिषद्

बृहस्पतिवार, 12 दिसम्बर सन् 1946 ई.

भारतीय विधान-*परिषद् की बैठक कांस्टीट्यूशन हाल, नई दिल्ली में प्रातः 11 बजे डॉ. राजेन्द्र प्रसा*द के सभापतित्व में प्रारम्भ हुई।

***सभापतिः** जिन सदस्यों ने रजिस्टर पर हस्ताक्षर न किये हों, वह इस समय हस्ताक्षर कर सकते हैं। *(कोई आगे नहीं आया)*

मालूम होता है कि ऐसा कोई सदस्य नहीं रह गया है जिसने हस्ताक्षर न किया हो। अब हम दूसरा मुद्दा लेते हैं, यह है पंडित जवाहरलाल नेहरू का प्रस्ताव। मैं समझता हूं कि कुछ ऐसे सदस्य हैं जिनका ख्याल है कि इस आवश्यक प्रसताव पर विचार करने का उन्हें काफी समय नहीं मिला है। इसमें शक नहीं कि प्रस्ताव महत्त्वपूर्ण है और मैं नहीं चाहता कि कोई भी सदस्य यह समझे कि उसे इस पर पूरी तरह से विचार करने का समय नहीं मिला। यदि सभा की राय हो, तो कल तक के लिये इस पर वाद-विवाद मैं स्थगित कर दूं।

***कई सदस्यः** हां।

***सभापतिः** और फिर इस सम्बन्ध में एक और बात है जिस पर मैं सभा की राय चाहूंगा। नियम-निर्मातृ-समिति के सदस्यों को बैठकर नियम बनाने हैं जिन्हें वे हमारे सामने पेश करेंगे। विधान-परिषद् की साधारण बैठक के अलावा भी उन्हें समय मिलना चाहिये। यदि आप सहमत हों तो सभा स्थगित होने के बाद उक्त समिति की बैठक प्रारम्भ हो जाये और इस तरह यथासम्भव अधिक काम हम कर सकें। पर यदि समिति अपना काम समाप्त न कर पाये तो उसे कल पुनः बैठना होगा। मैं जानना चाहता हूं कि सभा अपनी बैठक प्रातः 11 बजे प्रारम्भ करना चाहेगी या दोपहर बाद। मेरी तो राय है कि सभा की एक ही बैठक हो चाहे प्रातः या दोपहर को, ताकि नियम-निर्मातृ-समिति दिन के एक भाग में अपनी बैठक कर सके। यदि सभा चाहती है कि उसकी बैठक प्रातःकाल हो तो हम लोग सवेरे समवेत हों।

---

*इस संकेत का अर्थ है कि यह अंग्रेजी वक्तृता का हिन्दी रूपान्तर है।

***कुछ सदस्यः** हम लोग प्रातःकालीन बैठक चाहते हैं।

***कुछ सदस्यः** दोपहर में बैठक हो।

***सभापतिः** इस सम्बन्ध में किसी निर्णय पर पहुंचना, मुझे डर है, मेरे लिए मुश्किल है। मैं सदस्यों को कष्ट दूंगा कि वे हाथ उठा कर अपनी राय जाहिर करें। जो सवेरे की बैठक चाहते हैं वे हाथ उठायें।

(प्रातःकालीन बैठक के पक्ष में अधिकतर सदस्यों ने हाथ उठाये।)

जान पड़ता है बहुसंख्यक सदस्य सवेरे की बैठक चाहते हैं। इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए हमारी बैठक कल प्रातः 11 बजे होगी और यदि जरूरी हुआ तो नियम-निर्मातृ-समिति की बैठक दोपहर बाद होगी। यदि सदस्यों को प्रस्ताव पर संशोधन पेश करने हैं तो वे कृपया दिन में अपना संशोधन मंत्री को दे दें। हम कल इस पर बहस शुरू करेंगे। मंत्री इस बात के लिए प्रयत्नशील रहें कि प्राप्त संशोधनों को वे यथासम्भव सभी सदस्यों को पहुंचा दें।

***एक सदस्यः** क्या हम शनिवार को बैठ रहे हैं?

***सभापतिः** मेरा ख्याल है, हम लोग शनिवार को समवेत होंगे। यह मेरा विचार है पर यह प्रश्न सभा के अधीन है। मैं समझता हूं कि हम लोग शनिवार को भी बैठेंगे।

***माननीय पं. हृदयनाथ कुंजरू** (संयुक्तप्रांत : जनरल): मैं समझता हूं कि शनिवार को हमारी बैठक न होनी चाहिए। एक दिन का हमें अवकाश लेना चाहिए, ताकि उपस्थित समस्याओं पर हम शांतिपूर्वक विचार कर सकें।

***श्री श्रीप्रकाश** (संयुक्तप्रांत : जनरल): मेरे ख्याल में हर रविवार को अवकाश रहना चाहिए और पं. हृदयनाथ कुंजरू को शांतिपूर्वक विचार करने के लिए यह काफी है।

***सभापतिः** इस पर हम कल विचार करेंगे। जहां तक इस सभा का प्रश्न है, हमें इसे कल प्रातः 11 बजे तक स्थगित कर देना चाहिये, पर मैं चाहूंगा कि नियम-निर्मातृ-समिति के सदस्य आधे घंटा बाद बैठें। इसी बीच में हम यह तय कर लेंगे कि वे किस-किस कमरे में बैठेंगे।

सभा कल प्रातः 11 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

***डॉ. सर हरीसिंह गौड़** (मध्यप्रान्त और बरार : जनरल): मेरी समझ में यह बहुत लाभप्रद होगा, यदि प्रस्तावक महोदय अपना प्रस्ताव उपस्थित कर अपना विचार व्यक्त कर दें, ताकि सदस्यों को उसका पूरा तात्पर्य मिल जाये और तदनुसार वे उस पर संशोधन पेश कर सकें, जिन पर कल या परसों विचार किया जा सके।

***श्री सत्यनारायण सिन्हा** (बिहार : जनरल): सभा तो स्थगित कर दी गयी है।

***सभापतिः** सर हरीसिंह गौड़ का सुझाव है कि प्रस्तावक अपना प्रस्ताव उपस्थित कर भाषण से अपना दृष्टिकोण व्यक्त कर दें, ताकि सदस्यों को वह मालूम हो जाये और प्रस्ताव पर कल बहस की जा सके। मैंने स्वयं पहले ऐसा ही सोचा था, पर बाद में मैंने समझा कि सदस्य कल सारी बातों पर विचार करना चाहते हैं।

***कुछ सदस्यः** कल।

***सभापतिः** इस पर कुछ मतभेद मालूम पड़ता है और मैं इस पर मत लेना नहीं चाहता। विशेषतः इसलिये कि मैं सभा को स्थगित घोषित कर चुका हूं। अब सभा कल प्रातः 11 बजे तक के लिये स्थगित है।

इसके बाद सभा शुक्रवार 13 दिसम्बर, सन् 1946 ई. के प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित हुई।

———